जनवरी 2020 से दिसंबर 2020 के दौरान संस्थान के राजभाषा कार्य

भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसन्धान संस्थान, बैरकपुर तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों में हिंदी सप्ताह (ऑनलाईन मोड में) समारोह

कोरोना महामारी (कोविड-19 वायरस संक्रमण) के कारण वर्ष 2020 में भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थालन, बैरकपुर तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों में हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन ऑनलाईन मोड में किया गया। सप्ताह के समस्त कार्यक्रम बैरकपुर मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों (प्रयागराज, गुवाहटी, बैंगलोर, वडोदरा) में एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित किए गए। इस अवसर पर (वर्चुअल तौर पर) मुख्य अतिथि डॉ. विजयालक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता; विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्ययक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था कोलकाता; डॉ. अरूण कुमार पाण्डे, सहायक कार्यकारी सचिव, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता; डॉ. बी. पी. मोहान्ति, सहायक महानिदेशक (अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी), भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली; संस्थान के निदेशक, डॉ बि. के. दास, संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष/वैज्ञानिक एवं समस्ता क्षेत्रीय केन्द्रों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्वागत गीत से हुई। हिंदी कक्ष के सर्वकार्यभारी, डॉ. श्रीकान्त सामंता ने समारोह में उपस्थित (वर्चुअल) मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, निदेशक महोदय, सभी प्रभागाध्यपक्षों, केन्द्रों के प्रभारी अधिकारियों तथा समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत किया तथा साथ ही उन्होंने राजभाषा हिंदी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होनें राजभाषा विभाग द्वारा तय किए गए निर्देशों के पालन का उललेख करते हुए संस्थान के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को इस कार्य में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

डॉ. विमल प्रसन्ना मोहन्ती, सहायक महानिदेशक (अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी), भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, दिल्ली ने संस्थान के निदेशक को विगत तीन वर्षो से लगातार भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता के साथ हिंदी दिवस का आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि निदेशक के मार्गदर्शन में संस्थान में हिंदी कार्य में काफी बढ़ोतरी हुई है और हिंदी प्रकाशनों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है।

मुख्य अतिथि, डॉ. श्रीमती विजयालक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता ने संस्थान के निदेशक एवं कर्मचारिओं को हिंदी दिवस के आयोजन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिंदी जनसंवाद की भाषा है, और बोलचाल की भाषा के रूप में यह भारत के अनेक प्रदेशो में सुदृढ़ है। हिंदी भारतीय जनमानस की भाषा और भारतीय विज्ञान का वाहक होना चाहिए। हिंदी के प्रसार के लिए हमारी सरकार का भी अत्यधिक योगदान है। माननीय प्रधानमंत्री के साथ साथ देश के अन्य वरिष्ट नेतागण अंतर्राष्ट्रीय सभाओं में हिंदी में अपना अभिभाषण देते है। उन्होंने अपील की कि हिंदी में लिखित वैज्ञानिक पुस्तकों को पाठ्यक्रम के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज इंटरनेट पर हिंदी भाषा में नयी सामग्री का सृजन बहुत तेज गति से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए, अधिकतम स्तर की सामग्री हिंदी भाषा में उपलब्ध होना चाहिए। इससे हिंदी भाषा में मौलिक ज्ञान-

विज्ञान, काम-काज और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा इसलिए हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान की पुस्तकों एवं शोध पत्रों का अधिक से अधिक प्रकाशन हिंदी माध्यम में करने के लिए आग्रह किया।

संस्थान के निदेशक, डॉ.बि. के. दास ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि इस साल कोरोना महामारी के कारण हिंदी सप्ताह का आयोजन वर्चुअल प्लेटफार्म पर किया जा रहा है इसमें संस्थान के सभी क्षेत्रियो केन्द्रों के साथ साथ भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता के सभी पदाधिकारीगण जुड़े हुए है। उन्होने इस अवसर पर संस्थान के समस्त कर्मियों विशेषकर हिंदी कार्य से जुड़े सारे वैज्ञानिकों , कर्मचारियों को बधाई दिया। उन्होने कहा कि विगत तीन वर्षो से हमारी हिंदी मासिक समाचार पत्रिका समय से प्रकाशित हो रही है, संस्थान के सभी तकनीको को जन-जन तक पहुचाने के लिए हिंदी भाषा में पुस्तिकाओ एवं लीफलेट का प्रकाशन हुआ है और इनको मत्स्य कृषकों तक पहुँचाया जा रहा है ताकि वो अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकें।

डॉ. यू. के सरकार, प्रभागाध्याक्ष और डॉ. बि. के. बेहरा, प्रभागाध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कार्यालयीन कार्य में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। डॉ. सुबीर कुमार नाग, प्रभागध्यकक्ष ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कामकाज करने का आग्रह किया। डॉ. एम. ए. हसन, प्रभागाध्यक्ष ने राजभाषा और राष्ट्रभाषा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है क्योंकि यह अधिकांश लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री राजीव लाल ने अपने वक्तव्य में कम्प्युटर पर उपलब्ध ऐप के द्वारा हिंदी अनुवाद करने की शैली पर प्रकाश डाला।

हिंदी सप्ताह का समापन समारोह संस्थान मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों के साथ संयुक्त रूप से (ऑनलाइन मोड में) दिनांक 20 सितम्बर, 2020 को आयोजित किया गया। हिंदी सप्ताह के दौरान कई हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्रों में कार्यरत कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में ऑनलाईन मोड में इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा विजेताओं को निदेशक महोदय के द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। क्षेत्रीय केन्द्रों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को निदेशक महोदय की ओर से वहां के प्रभारी अधिकारियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में निदेशक महोदय ने हिंदी प्रतियोगितिाओं के विजेताओं को बधाई दी एवं हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के सदस्यों को हिंदी सप्ताह के सुचारू ढ़ंग से संचालन के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सितम्बर माह की भाकृअनुप-केंअंतमाअनुस मासिक समाचार का विमोचन संस्थान के निदेशक, डॉ. बि. के. दास द्वारा ऑनलाईन मोड में किया गया। इस मौके पर निदेशक महोदय ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए अपने कार्यालय का कामकाज हिंदी में करने के निर्देश दिए।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा इस संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र, वडोदरा का राजभाषा संबंधी निरीक्षण

माननीया प्रो. रीता बहुगुणा जोशी जी प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा दिनांक 26-28 फरवरी, 2020 को वडोदरा के 21 कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति का निरीक्षण किया। इसी क्रम में भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, वडोदरा का दिनांक 27 फरवरी, 2020 को राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति का निरीक्षण किया।

इस बैठक का उद्देश्य वडोदरा केंद्र के राजभाषा (हिन्दी) कार्यो की समीक्षा करना था। इस समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोकसभा) और संयोजक प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, संसद सदस्य (लोकसभा) थे। समिति के अन्य सदस्यों में श्री प्रदीप टमटा, संसद सदस्य (राज्यसभा), श्री सुशील कुमार गुप्ता संसद सदस्य (लोक सभा), श्रीमति रंजनबेन धनंजय भट्ट संसद सदस्य (लोकसभा), श्री ज्यातिर्मय सिंह महतो संसद सदस्य (लोकसभा), श्री कीजरापु राम मोहन नायडू संसद सदस्य (लोकसभा), श्री बालुभाऊ धनोरकर उर्फ सुरेश नारायण संसद सदस्य (लोकसभा), श्री मनोज तिवारी संसद सदस्य (लोकसभा), श्री दुर्गा दास ऊईके संसद सदस्य (लोकसभा), श्री बी एस मीना, सचिव (समिति), श्री कमल स्वरूप, अनुसंधान अधिकारी और श्री किरण पाल सिंह, समिति रिपोर्टर इस बैठक में उपस्थित हुए। इस बैठक में संस्थान के निदेशक डॉ. बि. के. दास, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. प्रवीण कुमार, सहायक महानिदेशक (समुद्री मात्स्यिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा) तथा वडोदरा केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. एस. पी. काम्बले उपस्थित हुए।

संस्थान के निदेशक संसदीय राजभाषा समिति के संयोजक माननीया प्रो. रीता बहुगुणा जोशी को सम्मानित करते हुए

निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए वडोदरा केन्द्र द्वारा राजभाषा हिन्दी में किए गए कार्यों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। संसदीय समिति के गणमान्य सदस्यों ने बड़ी ही उत्सुकता के साथ प्रदर्शित सामग्रियों

को देखा तथा विभिन्न तकनीकी तथा प्रशासनिक प्रकाशनों के बारे में जानकारी ली। समिति के संयोजक माननीया प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने संस्थान की गृह पत्रिका नीलांजलि के प्रकाशन कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर वडोदरा अनुसंधान केन्द्र की राजभाषा हिंदी की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर एक संकलित प्रलेख का प्रकाशन किया गया।

उपरोक्त कार्यकलापों के अलावा संस्थान में निम्नलिखित राजभाषा हिन्दी संबंधित कार्यों का निश्पादन सफलतम तौर पर किया गया -

1 संस्थान की वार्षिक गृह पत्रिका, "नीलांजलि" अंक 10 वर्ष 2019 का प्रकाशन।

2 मत्स्य रोग पर मोबाइल एप (हिन्दी रूपांतर): मत्स्य रोग संबंधी सलाह

3 हिन्दी में डॉक्युमेंट्री फिल्म: अंतर्स्थलीय पिंजरा पालन में प्रजाति विविधता

4 हिन्दी में डॉक्युमेंट्री फिल्म: गंगा नदी में जैव विविधता पुनर्स्थापन हेतु प्रकृतिकृत (जंगली) मछलियों का जर्मप्लाज्म प्रजनन

5 देशव्यापी कोरोना महामारी (कोविड 19) के कारण तालाबंदी के समय नदी, ज्वारनदमुख, मुहाने और नहरों पर निर्भरशील मछुआरों के लिए परामर्शी दिशानिर्देश

6 देशव्यापी कोरोना महामारी (कोविड 19) के कारण तालाबंदी के समय जलाशय और आर्द्रक्षेत्रों पर निर्भरशील मछुआरों/मछुआरा सहकारी समितियों के लिए परामर्शी दिशानिर्देश

माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र, वडोदरा का निरीक्षण